nwda.gov.in

तालाबों को आपस में जोड़कर सहेजा वर्षा का जल, गांव में बढ़ा जलस्तर

भीषण गर्मी में भी लबालब रहते हैं गांव के तालाब, 200 किसानों व 25 मछुआरे परिवारों को फायदा

<< पढानडोगरी तालाब से जोड़ा तालाब को जोड़ती नाली ● नईदुनिया

इतने है हैंडपंप व कुएं

- सात गांवों में है 87 सरकारी हैंडपंप
- निजी घरों में 460 बोरिंग
- 730 सरकारी व निजी कुएं
- पांच तालाबों की दूरी एक दूसरे से दो से तीन किमी। एक तालाब आठ किमी दूर
- 30 से 32 एकड़ क्षेत्रफल में छह तालाब
- ग्राम पंचायत के पांच कर्मचारी व मछुआरे वर्षभर करते हैं तालाबों की देखरेख

लबालब पांढरवानी तालाब

आठ साल पहले सरकारी योजना (नदी से नदी और सड़क से सड़क जोड़ना) को संज्ञान में लेकर तालाबों को लेकर माडल तैयार किया। मनरेगा योजना से राशि स्वीकृत कराई और काम चालू कराया। भीषण गर्मी में भरपूर तालाब में पानी रहता है। तालाब में पानी रहने से हैंडपंप व कुएं में ऊपर ही पानी रहता है। सात गांवों के अलावा आसपास गांवों करीब दो सौ किसान सब्जियों की खेती कर जीविका चला रहे हैं। मछुआरों को भी रोजगार मिल रहा है।

अनीश खान, सरपंच, ग्राम पंचायत, पांढरवानी

उगा रहे हैं, जिससे उन्हें अच्छा लाभ हो रहा है।

तालाब को तालाब से जोड़ने का नवाचार: पांढरवानी के सरपंच अनीश खान बताते हैं कि वर्ष 2016 में सरकार की योजना आई थी, नदी से नदी और सड़क से सड़क जोड़ना। तब मन में विचार आया कि पंचायत में पांच से छह तालाब वर्षों पुराने हैं, क्यों न इन्हें जोड़ा जाए। मनरेगा योजना के अंतर्गत करीब 80 से 90 लाख रुपये स्वीकृत करवाए और तत्कालीन कलेक्टर से एक आदेश जारी कराया कि तालाब से किसान निश्शुल्क मिट्टी लेकर जा सकते हैं। इसके बाद आसपास के गांवों के किसान तालाबों से अपने उपयोग के लिए मिट्टी ले गए। इससे तालाब का गहरीकरण हो गया। बता दें, तालाब की मिट्टी खेती व सब्जियां उगाने के लिए लाभदायक होती है। इसके बाद तालाब में वाटर कोस, वेस्ट वियर, पनघट व पिचिंग का काम कराया गया। तालाबों को एक-दूसरे से जोड़ने के लिए सीमेंट वाली पक्की नालियों का निर्माण कराया और वर्ष 2018 में यह काम पूरा हो गया।

कैचमेंट एरिया ऐसा है कि वर्षा होने पर पूरा पानी इधर-उधर बहने की बजाए तालाब में जमा होता है। इन तालाबों को एक छोटी नहर के माध्यम से सर्राटी जलाशय से भी जोड़ा गया है। इससे यहां का पानी ओवरफ्लो होने पर तालाब में आकर जमा होता है। छह तालाबों को एक-दूसरे को जोड़ने के बाद आसपास गांवों में कभी पानी की समस्या नहीं बनी।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।